मासिक प्रगति आख्या

अगस्त-अक्टूबर 2023

कुमाऊं विश्वविद्यालय

स्लीपी होलो, नैनीताल -263001
उत्तराखंड, भारत

मासिक प्रगति आख्या

अगस्त-अक्टूबर 2023

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	**सम्मान, पुरस्कार और उपलब्धि**	
	1.1- कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति बने पूर्व छात्र प्रो० दीवान सिंह रावत	01-03
	1.2- कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रो० नंद गोपाल साहू दूसरी बार दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों में शुमार	03-04
	1.3- कुमाऊं विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो० संतोष कुमार को मिलेगा एमआर श्रीनिवासा अवार्ड	04-05
	1.4- डी०एस०बी० परिसर में वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो० अतुल जोशी को मिला वर्ष 2022-23 का "राजभाषा गौरव पुरस्कार"	05-06
	1.5- 37वीं राष्ट्रीय खेलों में कुमाऊं विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने जीते पदक	06-06
2.	**मुख्य गतिविधियां**	
	2.1- डी०एस०बी० परिसर में नवागुंतक विद्यार्थियों हेतु विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम 'दीक्षारम्भ-2023' का हुआ आयोजन	07-08
	2.2- कुलपति प्रो० रावत ने निजी संस्थानों से किया सीधा संवाद, समस्याओं का किया त्वरित निराकरण	08-09
	2.3- 10 दिवसीय मोस्ट एंटरप्राइसिंग नेवल यूनिट (मेनु) शिविर का हुआ आयोजन	09-10
	2.4- पुरातन छात्रों ने कुलपति प्रो० रावत से मुलाकात कर कुविवि के विकास और प्रगति के लिए साझा किए अपने सुझाव और विचार	10-11
	2.5- कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में हुआ छात्र शिकायत निवारण समिति की बैठक का आयोजन	11-12
	2.6- कुमाऊं विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अर्पित की गई स्वच्छांजलि	12-13
	2.7- "गृह प्रवास पर्यटन एवं भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत विकास" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	14-15
	2.8- विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन	15-17
	2.9- डी०एस०बी० परिसर में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान	17-18

3.	**नवीन पहल एवं नवाचार** 3.1- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं संबद्ध संस्थानों के लिए कुलपति प्रो० रावत ने लांच किया ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल 3.2- अमर शहीद मेजर राजेश अधिकारी के नाम पर होगा विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम 3.3- इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत बी०ए०-बी०एड०, बी०एससी०-बी०एड० तथा बी०कॉम०-बी०एड० पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य हुआ आरम्भ 3.4- कुलपति कुविवि द्वारा पारदर्शिता एवं वित्तीय शुचिता हेतु गोपनीय मुद्रण को भी टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से किये जाने का लिया महत्वपूर्ण निर्णय 3.5- विश्वविद्यालय में होगी विजिटिंग/ मानद प्राध्यापक निदेशालय (Directorate of Visiting/ Honorary Professors) की स्थापना 3.6- कुमाऊं विश्वविद्यालय ने शोध को बढ़ावा देने के लिए रॉकहिल एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया अनुबंध 3.7- विश्वविद्यालय में छात्रों को नवाचार के लिए मिलेगा फंड 3.8- सहायक प्राध्यापक के नाम से जाने जाएंगे 115 संविदा और अतिथि शिक्षक 3.9- अब कुलपति की कक्षा में कुविवि के छात्र करेंगे पढाई 3.9- डी०एस०बी० परिसर के जंतु विज्ञान विभाग में बायोफ्लॉक फिश टेक्नोलॉजी सेंटर की होगी स्थापना	19-20 20-21 21-22 22-22 23-23 23-24 24-25 25-25 26-26 26-27
4.	**विविध** विगत तीन माह में लिए गए अन्य महत्वपूर्ण निर्णय/कार्यवाही	28-32

1. सम्मान, पुरस्कार और उपलब्धि

1.1 कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति बने पूर्व छात्र प्रो० दीवान सिंह रावत

दिल्ली विश्वविद्यालय के सीनियर प्रोफेसर डॉ० दीवान सिंह रावत कुमाऊं विश्वविद्यालय के नए कुलपति नियुक्त किये गए। विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने प्रो० डी०एस० रावत को कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर नियुक्त किया है।

प्रो० रावत आगामी तीन वर्ष तक इस जिम्मेदारी को संभालेंगे। प्रो० रावत रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 1989 में कुमाऊं विवि से स्नातक, 1991 में परास्नातक किया। इसके बाद मेडिसिनल केमिस्ट्री में

जहां पढ़ाई की, 30 साल बाद वहीं कुलपति बने प्रो. दीवान सिंह रावत

कुमाऊं विवि के नए कुलपति के सामने परीक्षा सिस्टम समेत विभिन्न चुनौतियों का अंबार

किशोर जोशी • नैनीताल

कुमाऊं विवि के मुखिया की जिम्मेदारी लगातार दूसरे कार्यकाल में कुमाऊं मूल के प्रोफेसर को मिली है। कुमाऊं विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत के सामने विवि में शोध एवं अध्यापन की गुणवत्ता को नए आयाम देने, परीक्षा सिस्टम के साथ ही विवि में प्रशासनिक सुधार की चुनौती है।

मूल रूप से बागेश्वर जिले के रैखोली निवासी प्रो. दीवान सिंह रावत दिल्ली यूनिवर्सिटी में रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1993 में कुमाऊं विवि से मास्टर डिग्री हासिल करने के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। इसके बाद 1998 में सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ से औषधीय रसायन विज्ञान में पीएचडी की। फार्मास्युटिकल उद्योग में दो साल काम किया और इंडियाना यूनिवर्सिटी यूएसए में पोस्ट डाक्टरल काम किया। वह नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च मोहाली में औषधीय रसायन विज्ञान के सहायक प्रोफेसर भी रहे। 2003 में दिल्ली विव में नियुक्त हुए और 2010 में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए। प्रो रावत के 165 शोध प्रकाशित हैं।

भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय के पूर्व छात्र रहे प्रो. डीएस रावत (दाएं से तीसरे) को पिछले दिनों विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया था • सौ. विद्यालय प्रबंधन

छात्रों के सुनहरे भविष्य को बनेगा मैकेनिज्म : प्रो.रावत

नैनीताल : कुमाऊं विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. डीएस रावत का कहना है कि दिल्ली विवि की तर्ज पर कुमाऊं विवि में भी डिजिटाइजेशन किया जाएगा। परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए ढांचागत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। कुलपति नियुक्त होने के बाद जागरण से बातचीत में प्रो. रावत ने कहा कुमाऊं विवि में बड़े पैमाने पर ग्रामीण इलाकों के छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं। उनके सपने पूरे हों, इसके लिए मैकेनिज्म तैयार होगा। प्रो. ललित तिवारी, प्रो. एसपीएस बिष्ट, डा. महेंद्र राणा, भूपाल करायत ने बधाई दी है।

शहीद सैनिक के पूर्व छात्र रहे

प्रो. रावत भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय नैनीताल के पूर्व छात्र रहे हैं। विद्यालय के पूर्व छात्र डा. मनोज बिष्ट ने बताया कि प्रो. रावत ने 1988 में यहां से इंटरमीडिएट पास किया। हाल ही में पूर्व छात्र संगठन ने उन्हें विद्यालय में सम्मानित किया था। मनोज अधिकारी, महेंद्र राणा, लक्ष्मण रौतेला, कुंदन बिष्ट, प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता, प्रो नीता बोरा शर्मा, पूर्व प्रबंधक ज्योति प्रकाश आदि ने हर्ष जताया है।

प्रो. रावत को मिले सम्मान और पुरस्कार

प्रो. रावत 2021 में नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज के फेलो के रूप में चुने गए। यह सम्मान पाने वाले वह डीयू के तीसरे प्रोफेसर थे। उन्हें वर्ष 2022 में औषधि अनुसंधान में आइएससीबी उत्कृष्टता पुरस्कार, 2021 में अनुकरणीय सेवाओं के लिए विशेष प्रशंसा पुरस्कार, प्लेटिनम जुबली व्याख्यान पुरस्कार, प्रो. एसपी हिरेमथ मेमोरियल पुरस्कार, इंडियन काउंसिल आफ केमिस्ट गोल्ड बैज और डिप्लोमा, इंटरनेशनल साइंटिफिक पार्टनरशिप फाउंडेशन, प्रो. आरसी शाह मेमोरियल लेक्चर अवार्ड, भारतीय विज्ञान कांग्रेस, आइएससीबी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, सीआरएसआ युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, प्रो. डीपी चक्रवर्ती 60वीं जयंती स्मृति पुरस्कार, इंडियन केमिकल सोसाइटी पुरस्कार मिले हैं। प्रो. रावत के अधीन 26 शोधार्थियों ने पीएचडी की है।

सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ और कुमाऊं विश्वविद्यालय से पीएच०डी० की। उन्होंने इंडियाना यूनिवर्सिटी और परड्यू यूनिवर्सिटी यूएसए से पोस्ट डॉक्टरल फैलो की है।

प्रो० रावत जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में विजिटिंग प्रोफेसर हैं साथ ही नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स पत्रिका और रॉयल सोसाइटी एडवांसेज लंदन के एसोसिएट एडिटर रह चुके हैं। प्रो० रावत को इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट एंड बायोलॉजिस्ट ने गत वर्ष आईएससीबी एक्सीलेंस अवार्ड इन ड्रग रिसर्च से नवाजा था। इसके अलावा वह वैश्विक रिसर्च अवार्ड, यंग साइंटिस्ट अवार्ड, सीएसआरआई यंग रिसर्चर अवार्ड सहित 15 से ज्यादा सम्मान

कुमाऊं विवि से ही गोल्ड मेडलिस्ट रहे हैं 29वें कुलपति प्रो. रावत

एमएससी के टॉपर रहे हैं प्रो. दीवान सिंह, प्रारंभिक शिक्षा भी नैनीताल से हुई

नियुक्ति

नैनीताल, संवाददाता। कुमाऊं विवि में 29वें कुलपति के रूप में दिल्ली यूनिवर्सिटी में तैनात विवि के पूर्व छात्र प्रो. दीवान सिंह रावत को नियुक्त किया गया है। प्रो. रावत कुमाऊं विवि में एमएससी के गोल्ड मेडलिस्ट रहे हैं। उन्होंने नैनीताल के भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय में भी पढ़ाई की है।

कुमाऊं विवि के पूर्व कुलपति प्रो. एनके जोशी की ओर से त्यागपत्र दिए जाने के बाद बीती 16 अप्रैल को विवि में कार्यवाहक कुलपति की जिम्मेदारी पंतनगर विवि के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान को दी गई थी। इस बीच राजभवन से स्थायी कुलपति की नियुक्ति को आवेदन आमंत्रित किए गए। एक माह के अंतराल में दिए समय सीमा के तहत 20 मई तक कुल 114 वरिष्ठ प्राध्यापकों की ओर से आवेदन किया गया। स्क्रीनिंग कमेटी की ओर से अंतिम रूप से पांच नाम तय किए गए। जिसमें उत्तराखंड मूल के दिल्ली विवि में तैनात प्रो. दीवान सिंह रावत, पंत विवि में टेक्नोलॉजी की डीन प्रो. अलकनंदा अशोक, एसएसजे विवि अल्मोड़ा में भौतिक विज्ञान में तैनात प्रो. प्रवीण बिष्ट, वाडिया इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रो. जैन और आईआईटी में तैनात प्रो. धरम पाल सिंह शामिल थे।

01 सौ 14 वरिष्ठ प्राध्यापकों ने किया था आवेदन

05 नाम तय किए थे स्क्रीनिंग कमेटी ने अंतिम रूप से

डॉ. डीएस रावत अपनी माता के साथ। • हिन्दुस्तान

बागेश्वर के रैखोली गांव के रहने वाले हैं

बागेश्वर। डॉ. डीएस रावत मूल रूप से बागेश्वर जिले के रैखोली गांव के निवासी हैं। उन्होंने नौ तक की पढ़ाई गांव से की। इसके बाद वह पढ़ाई के लिए नैनीताल चले गए। उनके कुलपति बनने से बागेश्वर जिला भी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। डॉ. डीएस रावत का जन्म बागेश्वर जिले के रैखोली गांव निवासी जीत सिंह रावत व मोहिनी के घर हुआ। अभी गांव में उनकी माता के साथ चाचा और ताऊ का परिवार रहता है। साल में वह दो बार अपने गांव नियमित आते हैं। दो महीने पहले ही वह अपने गांव आए थे।

पांच पुस्तकें, सात पेटेंट प्रो.रावत के नाम

प्रो. रावत रसायन विज्ञान के वरिष्ठ प्रोफेसर पद पर तैनात रहे। भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय नैनीताल से 1986 में हाईस्कूल व 1988 में इंटर किया। 1993 में स्नातकोत्तर में प्रथम स्थान हासिल किया। 1998 में सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ से औषधीय रसायन विज्ञान में पीएचडी पूरी की। देश-विदेश में सेवाएं दी। उनके 165 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। पांच पुस्तक तथा सात पेटेंट उनके नाम हैं।

कई उत्कृष्ट पुरस्कारों से हो चुके हैं सम्मानित

प्रो.रावत को आईएससीबी उत्कृष्टता, अनुकरणीय सेवाओं के लिए विशेष प्रशंसा पुरस्कार, प्लेटिनम जुबली व्याख्यान, भारतीय विज्ञान कांग्रेस, प्रो. एसपी हिरेमथ मेमोरियल समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। 2019-20 के लिए भारतीय विज्ञान कांग्रेस के रसायन विज्ञान अनुभाग का अध्यक्ष चुना गया। वह जापान एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में विजिटिंग प्रोफेसर हैं। रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (एफआरएससी) और सीकेम (लंदन) के फेलो हैं।

24 मई को स्कूल में किया गया सम्मान

कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत को बीती 24 मई को भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय में आयोजित एक सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया था। उनके गुरु रहे सेवानिवृत्त शिक्षक केदार सिंह राठौर समेत प्रधानाचार्य बीएस मेहता ने उन्हें सम्मानित किया। कुविवि में पूर्व कुलपति प्रो. एचएस धामी के बाद अब प्रो. रावत पूर्व छात्र के रूप में बतौर कुलपति पदभार ग्रहण करेंगे।

हासिल कर चुके हैं।

प्रो० दीवान सिंह रावत को नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज फेलोशिप यानी एफएनएससी के लिए चुना गया है। प्रो० रावत दिल्ली विश्वविद्यालय कमेस्ट्री विभाग के सौ वर्ष के इतिहास में यह सम्मान पाने वाले वह तीसरे हैं, जबकि उत्तराखंड के दूसरे व्यक्ति हैं।

1.2 कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रो० नंद गोपाल साहू दूसरी बार दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों में शुमार

यूएसए की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रो० नंद गोपाल साहू को जगह मिली है। यह दूसरा मौका है जब कुमाऊं विवि के प्रो. नंद गोपाल साहू का नाम इस सूची में शामिल हुआ है।

प्रो. नंद गोपाल दूसरी बार दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों में शुमार

टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने जारी की दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची

पंकज कुमार

नैनीताल। यूएसए की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रो. नंद गोपाल साहू को जगह मिली है। यह दूसरा मौका है जब कुमाऊं विवि के प्रो. नंद गोपाल साहू का नाम इस सूची में शामिल हुआ है।

कुमाऊं विवि के खाते में एक बार फिर बड़ी उपलब्धि जुड़ी

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के एमिनेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर जॉन इओनिडिस के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम की ओर से से वैज्ञानिकों की सूची तैयार की गई है। प्रो. नंद गोपाल साहू कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर के रसायन विज्ञान विभाग के अंतर्गत संचालित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह नैनो साइंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी सेंटर में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों की एक टीम ने आकलन के बाद वैज्ञानिकों की सूची जारी की है। इसमें पॉलीमर एवं नैनो साइंस श्रेणी में प्रो. साहू को दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में स्थान दिया है। इससे पूर्व वर्ष 2021 में उन्हें इस श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ था। संवाद

साल 2013 से कुमाऊं विवि में दे रहे सेवा

बता दें कि वर्ष 2013 में कुमाऊं विवि के रसायन विज्ञान विभाग के तहत शुरू हुए नैनो टेक्नोलॉजी एंड नैनो साइंस विभाग में प्रो. नंद गोपाल साहू ने जिम्मेदारी संभाली। इससे पूर्व वह सिंगापुर में एक कुशल वैज्ञानिक के तौर पर सेवाएं दे रहे थे। मूल रूप से पश्चिम बंगाल निवासी प्रो. साहू ने वेस्टेज से ग्राफीन बनाने की विधि पर शोध किया। इस पर वह और उनकी टीम कार्य कर रही है। वह कई पेटेंट प्राप्त कर चुके हैं।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के एमिनेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर जॉन इओनिडिस के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम की ओर से से वैज्ञानिकों की सूची तैयार की गई है। प्रो० नंद गोपाल साहू कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर के रसायन विज्ञान विभाग के अंतर्गत संचालित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह नैनो साइंस एंड नैनो टेक्नोलॉजी सेंटर में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों की एक टीम ने आकलन के बाद वैज्ञानिकों की सूची जारी की है। इसमें पॉलीमर एवं नैनो साइंस श्रेणी में प्रो० साहू को दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों की सूची में स्थान दिया है। इससे पूर्व वर्ष 2021 में उन्हें इस श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ था।

1.3 कुमाऊं विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो० संतोष कुमार को मिलेगा एमआर श्रीनिवासा अवार्ड

कुमाऊं विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो० संतोष कुमार के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। उन्हें देश की प्रतिष्ठित जियोलॉजिकल सोसाइटी

कुमाऊं विवि के प्रो. संतोष को मिलेगा प्रोफेसर एमआर श्रीनिवास राव अवार्ड

जासं, नैनीताल : कुमाऊं विश्वविद्यालय भूगर्भ विज्ञान विभाग के सीनियर प्रोफेसर डा. संतोष कुमार को भारतीय भू वैज्ञानिक संस्था का प्रतिष्ठित प्रो. एमआर श्रीनिवास राव अवार्ड मिलेगा। प्रो. संतोष को यह अवार्ड शैल विज्ञान में उनके उत्कृष्ट शोध व योगदान को देखते दिया जा रहा है। कुमाऊं विवि के किसी प्रोफेसर को पहली बार इस अवार्ड के लिए चुना गया है।

प्रो. संतोष कुमार ● जागरण

भारतीय भू वैज्ञानिक सोसाइटी की स्थापना 1958 में हुई थी, जबकि इस अवार्ड की शुरुआत 1985 में की गई थी। यह पुरस्कार हर दो साल में देश के एक ख्याति प्राप्त भू विज्ञानी को दिया जाता है। संस्था की ओर से छह नवंबर को केंद्रीय विश्विवविद्यालय धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित समारोह में अवार्ड प्रदान किया जाएगा। प्रो. संतोष कुमाऊं विवि के वरिष्ठतम प्रोफेसर हैं। उनके अब तक 80 से अधिक शोध पत्र व किताबों का प्रकाशन हो चुका है। उनके अधीन पीएचडी कर चुके 16 शोध छात्र-छात्राएं महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत, भूगर्भ विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. प्रदीप गोस्वामी, प्रो. राजीव उपाध्याय, डा. संतोष जोशी, डीएसबी परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो. संजय पंत, परीक्षा नियंत्रक डा. महेंद्र राणा, प्रसिद्ध भू विज्ञानी प्रो. सीसी पंत सहित तमाम प्राध्यापकों, शोध छात्रों ने अवार्ड के लिए चयनित होने पर बधाई देते हुए इसे विवि के लिए गौरव बताया है।

ऑफ इंडिया की ओर से एम०आर० श्रीनिवासा राव अवार्ड के लिए चुना गया है। शैल विज्ञान के क्षेत्र में शोध कार्यों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है। वह कुमाऊं विवि के पहले भूगर्भशास्त्री हैं, जिन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जाएगा। प्रो० संतोष कुमार को अपने उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए इससे पहले भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार 2019 में दिया जा चुका है।

पृथ्वी के निर्माण के दौरान बनी शैलों के वैज्ञानिक अध्ययन में प्रो० संतोष कई वर्षों से कई महत्वपूर्ण शोध कर चुके हैं। यह अवार्ड जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की ओर से हर साल दो साल में दिया जाता है। इस साल अवार्ड समारोह छह नवंबर को केंद्रीय विवि धर्मशाला में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सोसाइटी के सदस्यों एवं वैज्ञानिकों की ओर से उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा।

कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है।

1.4 डी०एस०बी० परिसर में वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो० अतुल जोशी को मिला वर्ष 2022-23 का "राजभाषा गौरव पुरस्कार"

राजभाषा गौरव पुरस्कार से सम्मानित हुए प्रो. जोशी

नैनीताल, संवाददाता। कुमाऊं विवि में वाणिज्य विभाग के संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल जोशी को राजभाषा हिन्दी में ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक पुस्तक लेखन के लिए वर्ष 2022-23 के राजभाषा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

उन्हें यह पुरस्कार राज्यसभा के उपाध्यक्ष हरवंश नारायण सिंह, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भर्तृहरि महताब, केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने संयुक्त रूप से हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रदान किया। छत्रपति शिवाजी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पुणे, महाराष्ट्र में तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन हुआ। प्रो. अतुल जोशी को भारतीय हिमालयः जीवन और जीविका पुस्तक लेखन पर पुरस्कार मिला।

वर्ष 2022-23 में हिंदी में ज्ञान विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन के लिए कुमाऊं विश्वविद्यालय के डी०एस०बी० परिसर में वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो० अतुल जोशी को "राजभाषा गौरव पुरस्कार" प्राप्त हुआ है। प्रो० अतुल जोशी को हिंदी भाषा में "भारतीय हिमालय जीवन और जीविका" पुस्तक लिखने पर प्रथम पुरुस्कार दिया गया है। प्रो० जोशी पूर्व में भी राष्ट्रीय सेवा

योजना के कार्यक्रम समन्वयक रहते हुए राष्ट्रपति पुरुस्कार-2015 से सम्मानित हो चुके हैं।

राजभाषा गौरव पुरस्कार के तहत प्रथम पुरुस्कार में ₹200000 की राशि, द्वितीय पुरुस्कार में ₹125000 की राशि, तृतीय पुरुस्कार में ₹75000 की राशि, प्रोत्साहन पुरुस्कार में ₹10000 की राशि के साथ ही प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है।

प्रो० अतुल जोशी की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रो० जोशी की यह विशिष्ट उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हमें और संकल्पित एवं उर्जान्वित होकर शिक्षा एवं अनुसन्धान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका का निर्वहन करते रहना है।

1.5 37वीं राष्ट्रीय खेलों में कुमाऊं विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने जीते पदक

दिनांक 25 अक्टूबर से 9 नवंबर 2023 तक गोवा में आयोजित 37वीं राष्ट्रीय खेलों में कुमाऊं विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन करते हुए पदक प्राप्त किये।

37वीं राष्ट्रीय खेलों में सेपक टकरा डबल्स इवेंट श्री लोकेश शाह ने कांस्य पदक, मिनी गोल्फ डबल्स इवेंट में श्री योगेश पांडे और मयंक सुंदरियाल ने कांस्य पदक जीतने के साथ ही मिनी गोल्फ के टीम इवेंट में कु० श्वेता भाकुनी और कु० दिया उप्रेती ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

2. मुख्य गतिविधियां

2.1 डी०एस०बी० परिसर में नवागुंतक विद्यार्थियों हेतु विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम 'दीक्षारम्भ-2023' का हुआ आयोजन

दिनांक 10 अगस्त 2023 को कुमाऊं विश्वविद्यालय के डी०एस०बी० परिसर में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के प्रारम्भ होने पर नवागुंतक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के स्वर्णिम गरिमायी इतिहास तथा परंपरा से परिचित कराने के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय और परिसर में संचालित विभिन्न शैक्षणिक, अशैक्षणिक गतिविधियों, सुविधाओं, योजनाओं, पाठ्यक्रम और परीक्षा संचालन की जानकारी देने हेतु विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम (स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम) दीक्षारम्भ 2023 का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो० दीवान सिंह रावत एवं विशिष्ट अतिथि वन संरक्षक श्री बिजूलाल टी०आर० ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम (स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम) दीक्षारम्भ 2023 का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने कहा कि नवप्रवेशित विद्यार्थियों के नए वातावरण में समायोजित होने और सहज महसूस करने में मदद करने, छात्रों को अन्य छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ मित्रवत संबंध बनाने, सामाजिक प्रासंगिकता के मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने और मानव मूल्यों को

दीक्षारंभ

डीएसबी परिसर में नवागंतुक विद्यार्थियों को दी सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी

नैतिकता और समर्पण के साथ आगे बढ़ें : कुलपति

संदवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ-2023 में विश्वविद्यालय और परिसर में संचालित विभिन्न सुविधाओं, योजनाओं और पाठ्यक्रम की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि वन संरक्षक बिजूलाल टीआर ने किया।

कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि नव प्रवेशित विद्यार्थियों के नए वातावरण में समायोजित होने और सहज महसूस करने में मदद करने के उद्देश्य से दीक्षारंभ का आयोजन किया गया। वन

दीप प्रज्ज्वलित करते कुलपति। संवाद

संरक्षक बीजूलाल टीआर ने कहा कि विवि अनुदान आयोग की ओर से विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम की पहल की गई है। इस दौरान विद्यार्थियों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। संचालन प्रो. ललित तिवारी ने किया। इस मौके पर डीएसबी परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, प्रो. अतुल

कुलपति ने कुमांऊनी में विद्यार्थियों से किया संवाद

नैनीताल। कुलपति प्रो. डीएस रावत ने नए विद्यार्थियों से कुमाऊंनी में संवाद किया। कहा कि भाषा-बोली के संरक्षण के लिए कुमाऊं विवि प्रतिबद्ध है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. एलएस लोधियाल ने छात्रों को संबोधित किया। प्रो. संजय पंत ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डॉ. अशोक कुमार ने परीक्षा, कुलानुशासक प्रो. नीता बोरा शर्मा ने अनुशासनात्मक वातावरण की जानकारी दी।

जोशी, प्रो. एमएस मावड़ी, प्रो. इंदु पाठक, प्रो. गिरीश रंजन तिवारी, प्रो. आशीष तिवारी, प्रो. संजय टम्टा, प्रो. चंद्रकला रावत आदि मौजूद रहीं।

आत्मसात कर एक जिम्मेदार नागरिक बनने में छात्रों की सहायता के उद्देश्य से दीक्षारंभ का आयोजन किया जा रहा है।

कुलपति प्रो० रावत ने कहा कि यह समय आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें आप न केवल ज्ञान की प्राप्ति करेंगे, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने की ओर प्रगति करेंगे। शिक्षा का मार्ग अपने आप में चुनौतियों और संघर्षों से भरपूर होता है, लेकिन यह आपके विकास और सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण होता है। जीवन में सफल होने के लिए आपको न केवल अध्ययन में प्रवीणता प्राप्त करनी होगी, बल्कि आपको अन्य क्षेत्रों में भी समृद्धि प्राप्त करने के लिए संकल्पित रहना होगा।

2.2 कुलपति प्रो० रावत ने निजी संस्थानों से किया सीधा संवाद, समस्याओं का किया त्वरित निराकरण

दिनांक 12 अगस्त 2023 को कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने सायं काल 7:30 से 8:30 बजे तक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निजी शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों से वार्ता करके उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया। वार्ता का उद्देश्य उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सहयोग एवं समन्वयन स्थापित करना था।

कुविवि के कुलपति प्रो.रावत ने किया निजी संस्थानों से किया सीधा संवाद

- समस्याओं का किया त्वरित निराकरण, मात्र 23 मिनट में समाधान उपलब्ध
- दर्शायी कुमाऊं विश्वविद्यालय की नई कार्य संस्कृति की झलक

आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो, दीवान सिंह रावत ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से निजी शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों से वार्ता करके उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया। वार्ता का उद्देश्य उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सहयोग एवं समन्वयन स्थापित करना था।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 रावत ने निजी शिक्षण संस्थानों से नवाचार को बढ़ावा देने तथा नवोन्मेषी विचारों को प्रेरित करनेए शिक्षा एवं उद्योग के मध्य कार्रवाई का समन्वय करने और प्रयोगशालाओं एवं अनुसंधान सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु कहा गया। उन्होंने कहा कि इससे जहाँ शिक्षण संस्थाओं की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि होगी वहीं उनके अनुसंधानए शिक्षण और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में भी सुधार आएगा। वार्ता के दौरान कुलपति प्रो0 रावत ने जहाँ निजी शिक्षण संस्थानों की अधिकांश समस्याओं का त्वरित निवारण किया किया गया वहीं नीतिगत मामलों पर विचार करने का आश्वासन भी दिया गया। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों से प्राप्त सुझावों को 17 अगस्त को आयोजित होनी वाली संबंधित अनुभागों की समीक्षा बैठक में रखा जायेगा। ऑनलाइन वार्ता के दौरान एक निजी संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के पंचम सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में अनुपस्थित दर्शाये जाने के कारण अंतिम सेमेस्टर के परीक्षा आवेदन फॉर्म को भरने में हो रही परेशानी को कुलपति के सामने रखा। वार्ता के दौरान ही कुलपति प्रो0 रावत से प्राप्त दिशानिर्देशों के क्रम में परीक्षा अनुभाग द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य कर मात्र 23 मिनट के भीतर सभी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम सही कर उनके अंतिम सेमेस्टर के परीक्षा आवेदन फॉर्म भरवा लिए गए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो० रावत ने निजी शिक्षण संस्थानों से नवाचार को बढ़ावा देने, नवोन्मेषी विचारों को प्रेरित करने, शिक्षा एवं उद्योग के मध्य कार्रवाई का समन्वय करने और प्रयोगशालाओं एवं अनुसंधान सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु कहा गया। उन्होंने कहा कि इससे जहाँ शिक्षण संस्थाओं की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि होगी वहीं उनके अनुसंधान, शिक्षण और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में भी सुधार आएगा।

वार्ता के दौरान कुलपति प्रो० रावत ने जहाँ निजी शिक्षण संस्थानों की अधिकांश समस्याओं का त्वरित निवारण किया किया गया वहीं नीतिगत मामलों पर विचार करने का आश्वासन भी दिया गया। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों से प्राप्त सुझावों को 17 अगस्त को आयोजित होनी वाली संबंधित अनुभागों की समीक्षा बैठक में रखा जायेगा।

2.3 10 दिवसीय मोस्ट एंटरप्राइसिंग नेवल यूनिट (मेनु) शिविर का हुआ आयोजन

दस दिवसीय मोस्ट एंटरप्राइसिंग नेवल यूनिट (मेनु) शिविर का उद्घाटन सोमवार, दिनांक 21 अगस्त 2023 को कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा किया गया। इस मेनु प्रशिक्षण शिविर में 25 बालिका कैडेट्स सहित कुल 60 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

मुख्य अतिथि के रूप में शिविर का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने कहा कि एनएसीसी के माध्यम से विद्यार्थियों में देशप्रेम और अनुशासन की भावना उत्पन्न होती है जो उन्हें बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि वे ख़ुद प्रयासरत है कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय में छात्र पढ़ाई के साथ साथ अन्य पाठ्येतर गतिविधियों जैसे एनसीसी, एनएसएस और खेल- कूद जैसे कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर सके और

परीक्षा कार्यक्रम उनकी इन पाठ्येतर गतिविधियों में बाधक न बनें इसलिए उन्होंने एक समिति बनायी है जो इस पर चर्चा करेगी।

इस दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स द्वारा 280 किलोमीटर से अधिक की दूरी नौकायन व पाल नौकायन के माध्यम से पूरी की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लक्ष्य को एनसीसी की 3 व्हेलर्स नौकाओं तथा 2 एंटरप्राइस नौकाओं के माध्यम से पूर्ण किया गया। इसके साथ साथ शिविर में विण्ड सर्फिंग और कयाकिंग प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। मेन्यू कैंप के दौरान ही विभिन्न सामाजिक जागरूकता अभियान चलाए गए साथ ही ट्रैकिंग, बाधा प्रशिक्षण, रॉक क्लाइंबिंग तथा माउंटेनियरिंग जैसी साहसिक कार्यक्रमों को भी इस मेन्यू कैंप में शामिल किया गया।

2.4 पुरातन छात्रों ने कुलपति प्रो० रावत से मुलाकात कर कुविवि के विकास और प्रगति के लिए साझा किए अपने सुझाव और विचार

दिनांक 25 सितम्बर 2023 को कुमाऊँ विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों ने कुलपति प्रो० डी०एस० रावत से मुलाकात की गई। इस मुलाकात के दौरान, पुरातन छात्रों ने विश्वविद्यालय के विकास और प्रगति के लिए अपने सुझाव और विचार साझा किए। कुलपति प्रो० रावत ने पुरातन छात्रों एवं सहयोगियों के अनुभवों और विचारों का स्वागत करते हुए उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो० रावत ने कहा कि कुलपति ने कहा कि पुरातन छात्र किसी भी संस्था के लिए रीढ़ की हड्डी का कार्य करते हैं साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करते हुए विश्वविद्यालय का गौरव भी बढ़ाते हैं। यह मुलाकात पुरातन छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच समर्थन, सामंजस्य और सम्मान की और महत्वपूर्ण कदम है, और एक सकारात्मक भविष्य की प्रस्तावना है। अपनी पुरानी यादें साझा करते हुए उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि पुरातन छात्रों के लिए साल में एक से ज्यादा आयोजन और विशिष्ट व्याख्यान आदि कराए जाएं।

2.5 कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में हुआ छात्र शिकायत निवारण समिति की बैठक का आयोजन

दिनांक 30 सितंबर 2023 को कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में छात्र शिकायत निवारण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० पी०सी० जोशी द्वारा की गई।

ज्ञात हो कि कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत के दिशानिर्देशों और पहल से कुमाऊं विश्वविद्यालय ने यूजीसी शिकायत निवारण विनियमन, 2012 - दिनांक 7 दिसंबर 2018 (एफ.नं.14-4/2012 (सीपीपी-II)) की अधिसूचना के अनुसार एक शिकायत निवारण समिति (जीआरसी) का गठन कर दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० पी०सी० जोशी को इसका अध्यक्ष नामित किया गया था।

छात्र शिकायत निवारण समिति की बैठक की शुरुआत अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों के परिचय और केयू जीआरसी सदस्यों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर चर्चा

के साथ हुई। साथ ही बैठक में छात्रों की समस्याओं की पहचान करने और उचित समाधान प्रदान करने के लिए सर्वेक्षण करने पर भी चर्चा की गई।

बैठक में तय किया गया कि छात्र शिकायत निवारण समिति के सदस्यों को नियमित रूप से छात्रों के समस्याओं के निष्पादन की मॉनिटरिंग करनी होगी। "छात्र शिकायत निवारण समिति" के निर्णय से असंतुष्ट छात्रों के मामले के निवारण के लिए यूजीसी के गाइडलाइन के विनियम 2023 के प्रावधानों के अनुसार नियुक्त लोकपाल के समक्ष सभी प्रकारणो को रखा जायेगा।

इस अवसर पर छात्र शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष एवम लोकपाल दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० पी०सी० जोशी ने कहा कि शिक्षा प्रदान करने वाले किसी भी संस्थान में छात्र मुख्य हितधारक होते हैं, और हमारा प्रयास विभिन्न चरणों में सभी गतिविधियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास करना है।

समस्याओं के निस्तारण की मॉनिटरिंग करेगी समिति

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में छात्र शिकायत निवारण समिति की बैठक में तय हुआ कि छात्र शिकायत निवारण समिति के सदस्य नियमित रूप से छात्रों की समस्याओं के निस्तारण की मॉनिटरिंग करेंगे।

केयू जीआरसी सदस्यों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ ही छात्रों की समस्याओं की पहचान करने और उचित समाधान प्रदान करने के लिए सर्वेक्षण करने पर चर्चा की गई।

दिल्ली विवि के पूर्व कुलपति प्रो. पीसी जोशी।

शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पीसी जोशी की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान में छात्र मुख्य हितधारक होते हैं और हमारा प्रयास विभिन्न चरणों में सभी गतिविधियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास करना है।

इससे पूर्व तय हुआ कि छात्र शिकायत निवारण समिति के निर्णय से असंतुष्ट छात्रों के मामले को निवारण के लिए यूजीसी की गाइडलाइन के प्रावधान के अनुसार नियुक्त लोकपाल के समक्ष रखा जाएगा।

यहां डीएसबी परिसर निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, डीएसबी परिसर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संजय पंत, जेसी बोस परिसर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. बीना पांडे, प्रो. अमित जोशी, प्रो. अनिता सिंह, उप कुलसचिव दुर्गेश डिमरी आदि मौजूद रहे। संवाद

2.6 कुमाऊं विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अर्पित की गई स्वच्छांजलि

दिनांक 1 अक्टूबर 2023 को सुबह 10 बजे कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, डीएसबी परिसर नैनीताल एवं जेसी बोस परिसर भीमताल में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्वच्छांजलि अर्पित की गई ।

स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए प्रशासनिक भवन में कुलसचिव श्री दिनेश चंद्रा के नेतृत्व में, डीएसबी परिसर नैनीताल में परिसर निदेशक प्रो० नीता

बोरा के नेतृत्व में एवं जेसी बोस परिसर भीमताल में डॉ० ऋषेन्द्र कुमार व डॉ० लक्ष्मण सिंह रौतेला के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के तहत विश्वविद्यालय के अधिकारीयों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवियों ने पॉलिथीन, प्लास्टिक बोतल, कांच की बोतल,प्लास्टिक के रैपर तथा अन्य कूड़ा एकत्र कर डस्टबिन में डाला गया।

इस अवसर पर कुलसचिव श्री दिनेश चंद्रा ने कहा कि स्वच्छता अभियान को केवल एक दिन की मुहिम न माने, बल्कि इसे निरंतर व्यवहार में लाकर अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। साथ ही अपने आस पास के क्षेत्र की सफाई कर राष्ट्रपिता को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें।

स्वच्छता अभियान में डॉ० विजय कुमार, उप कुलसचिव श्री दुर्गेश डिमरी, निजी सचिव कुलपति श्री एल०डी० उपाध्याय, डॉ० डी०एस० परिहार, डॉ० हिरदेश शर्मा, श्री पी०एस० बिष्ट, श्री सी०एस० पंत, श्री कैलाश जोशी, श्री प्रकाश भाकुनी, पंकज भट्ट, उत्कर्ष बिष्ट, देव मिश्रा, हिमांशु मेहरा, हेमा रैखोला, तुषार भंडारी, मनमोहन, मोहित गोयल तथा विशन चंद आदि ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

2.6 "गृह प्रवास पर्यटन एवं भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत विकास" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल के वाणिज्य विभाग के द्वारा 9 और 10 अक्टूबर को 'गृह प्रवास पर्यटन एवं भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत विकास: संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पद्मश्री यशोधर मठपाल एवं कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो० यशोधर मठपाल ने होमस्टे को पुरातत्व तथा विलुप्त हो रही नदी – नाले तथा अन्य प्रकार की कलाकृतियां पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होमस्टे के साथ ही हमें इनका संरक्षण भी करना होगा। यदि प्रकृति का संरक्षण नहीं कर पाए तो धीरे-धीरे यह भी विलुप्त हो जाएंगे। होमस्टे की प्रक्रिया पर उन्होंने कहा कि एक ऐसी योजना होनी चाहिए कि जिससे जो पर्यटक आ रहा है, उसका रजिस्ट्रेशन हो और उसके आने के उद्देश्य का पता चले और जिससे कि यहां की संस्कृति को और ज्यादा प्रचार-प्रसार किया जा सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो० रावत ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि हिमालयी रीजन में गृह प्रवास जैसे विषय पर मंथन की विशेष पहल है। विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक सरिता आर्या ने राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार द्वारा पर्यटन तथा होमस्टे पर चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर

विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने होमस्टे को महिलाओं तथा युवाओं से जोड़ते हुए कहा कि पर्यटकों को ऐसी सुविधाएं दी जाए, जिससे उन्हें घर जैसे अनुभव हों।

संगोष्ठी

पद्मश्री यशोधर मठपाल ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया शुभारंभ

होम स्टे के लिए प्रकृति का संरक्षण जरूरी : मठपाल

संवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। होमस्टे के साथ ही हमें प्रकृति का भी संरक्षण करना होगा। यदि प्रकृति का संरक्षण नहीं कर पाए तो धीरे-धीरे होम स्टे भी विलुप्त हो जाएंगे। यह बात पद्मश्री प्रो. यशोधर मठपाल ने नैनीताल में आयोजित संगोष्ठी में कही।

कुमाऊं विवि के वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को विवि के देवदार हॉल स्वामी विवेकानंद भवन में शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि पद्मश्री यशोधर मठपाल समेत अन्य अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गृह प्रवास पर्यटन एवं भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत विकासः संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा हिमालयी क्षेत्र में गृह प्रवास जैसे विषय पर मंथन की विशेष पहल है। मुख्य वक्ता प्रो. एससी बागरी ने कहा कि विवि हो महाविद्यालय तथा संस्थाओं की ओर से घोस्ट विलेज को गोद लिया जाए और ऐसी जगह पर होमस्टे की परिकल्पना को साकार किया जाए।

विशिष्ट अतिथि विधायक सरिता आर्या, प्रो. एसएस खनका, कार्यक्रम संयोजक प्रो. अतुल जोशी ने सतत विकास, हिमालय एवं गृह प्रवास पर विचार रखे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में देशभर के विभिन्न स्थानों से शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। बेंगलुरु से डॉ. संध्या, पिथौरागढ़ से मल्लिका वर्दी आदि ने शोध पत्र पेश किए। एनसीसी के छात्रों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

दिनांक 9 एवं 10 अक्टू

संगोष्ठी को संबोधित करते कुलपति प्रो. डीएस रावत। संवाद

ये रहे मौजूद

उच्च शिक्षा निदेशक सीडी सूंठा, डीसीबी परिसर निदेशक प्रो. नीति बोरा शर्मा, प्रो. चंद्रकला रावत, प्रो. एसएस यादव, प्रो. सुबोध शर्मा, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. एमएस मावड़ी, प्रो. युगल जोशी, भुवन नोटियाल, डॉ. आरती पंत, डॉ. विजय कुमार, डॉ. ममता जोशी, डॉ. निधि वर्मा, डॉ. हिमानी जलाल, डॉ. मनोज पांडे, डॉ. जीवन उपाध्याय, अंकिता आर्या, डॉ. तेज प्रकाश, डॉ. पूजा जोशी पालीवाल, डॉ. विनोद जोशी, रीतिशा शर्मा, आस्था अधिकारी, सुबिया नाज, प्रीति आदि मौजूद रहे। संचालन प्रो. दिव्या जोशी उपाध्याय ने किया।

2.7 विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन

विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो० दीवान सिंह रावत ने दवा निर्माण के क्षेत्र में शैक्षिक एवं शोध संस्थानों के सफल प्रयोग एवं उसके जन स्वास्थ्य में प्रयोग में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत फार्मासिस्टों के लिए आयोजित सतत शिक्षा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने विश्वविद्यालय में हो रहे शोधों को लैब से लैंड तक पहुंचाने पर जोर देते हुए जल्द ही विश्वविद्यालय में इस हेतु कार्ययोजना लागू करने की जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ० भागीरथी जोशी ने फार्मासिस्टों को स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ बताते हुए, कार्यक्षेत्र में बेहतर कार्य क्षमता हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर खाद्य एवं औषधि विभाग के वरिष्ठ औषधि निरीक्षक अनीता भारती, मीनाक्षी बिष्ट, महेंद्र बिष्ट एवं संजय प्रभाकर को भी सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीन शैक्षिक सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम सत्र में तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो० पीयूष मित्तल द्वारा प्रिसक्रिप्शन ऑडिट के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए विस्तृत एवं नवीनतम जानकारियां फार्मासिस्टों को दी गई। द्वितीय सत्र में ओपन चर्चा के माध्यम से फार्मेसी क्षेत्र में हॉस्पिटल फार्मेसी के उत्थान के संबंध में सारगर्भित चर्चा की गई साथ ही खाद्य एवं औषधि विभाग उत्तराखंड सरकार की विशेषज्ञ मीनाक्षी बिष्ट द्वारा दवा

विश्वविद्यालय में हो रहे शोधों को लैब से लैंड तक पहुंचाने की जरुरत

➢ बोले : कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत

➢ विश्व फार्मासिस्ट दिवस के मौके पर सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन

आज समाचार सेवा

नैनीताल। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने दवा निर्माण के क्षेत्र में शैक्षिक एवं शोध संस्थानों के सफल प्रयोग एवं उसके जन स्वास्थ्य में प्रयोग में फ ार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इससे पूर्व भेषज विज्ञान विभाग में विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत फार्मासिस्टों के लिए आयोजित सतत शिक्षा कार्यक्रम का कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीवान सिंह रावत ने विधिवत उद्घाटन किया। प्रो.रावत द्वारा विश्वविद्यालय में हो रहे शोधों को लैंब से लैंड तक पहुंचाने पर जोर देते हुए जल्द ही विश्वविद्यालय में इस हेतु कार्ययोजना लागू करने की जानकारी दी। बैठक में उपस्थित जिला चिकित्साधिकारी डॉ. भागीरथी जोशी ने फ ार्मासिस्टों को स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ बताते हुए कार्यक्षेत्र में बेहतर कार्य क्षमता हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में खाद्य एवं औषधि विभाग के वरिष्ठ औषधि निरीक्षक अनीता भारती, मीनाक्षी बिष्ट, महेंद्र बिष्ट एवं संजय प्रभाकर को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तीन शैक्षिक सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम सत्र में तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पीयूष मित्तल द्वारा प्रिसक्रिप्शन ऑडिट के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए विस्तृत एवं नवीनतम जानकारियां फर्मासिस्टों को दी गई। द्वितीय सत्र में ओपन चर्चा के माध्यम से फार्मेसी क्षेत्र में हॉस्पिटल फार्मेसी के उत्थान के संबंध में सारगर्वित चर्चा की गई वहीं खाद्य एवं औषधि विभाग उत्तराखंड सरकार की विशेषज्ञ मीनाक्षी बिष्ट द्वारा दवा विक्रय तथा भंडारण एवं इससे संबंधित विभिन्न दिशा निर्देशों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई और अंतिम सत्र में ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय की प्रो. हिमांशु जोशी द्वारा दवा के शरीर में विभिन्न प्रभावों एवं दुष्प्रभावों से रोकथाम पर विस्तृत चर्चा के द्वारा जानकारी दी गई। कार्यक्रम को कार्यक्रम संयोजक प्रो. अनीता सिंह, परिषद के निदेशक एल के सिंह, तकनीकी संकायाध्यक्ष डॉ. कुमुद उपाध्याय द्वारा भी संबोधित किया गया। वही कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रबंध अध्ययन प्रो. अमित जोशी ,विभागाध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी प्रो. तपन नैनवाल भी शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 107 पंजीकृत फर्मासिस्टों ने प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी बताते हुए विश्व फर्मासिस्ट दिवस की उपलक्ष पर ऐसे आयोजन की आवश्यकता जतायी। कार्यक्रम का संचालन आयोजक सचिव डॉ. महेंद्र सिंह राणा ने किया। कार्यक्रम में विभाग के डॉ. तीरथ कुमार , डॉ. राजेश्वर कमल कांत, डॉ. अमित जोशी, डॉ. विरेंद्र कौर, डा. लक्ष्मण सिंह रौतेला, सुमित दुर्गपाल, डॉ. तनुज जोशी, अरविंद जंतवाल, चंद्रकांता, प्रिया गुप्ता, मनीष पाठक सहित सभी शिक्षक कर्मचारी शामिल हुए।

विक्रय, भंडारण एवं इससे संबंधित विभिन्न दिशा निर्देशों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। अंतिम सत्र में ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय के प्रो० हिमांशु जोशी द्वारा दवा का शरीर में विभिन्न प्रभावों एवं दुष्प्रभावों से रोकथाम पर विस्तृत चर्चा के द्वारा जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को कार्यक्रम संयोजक अनीता सिंह, परिसर निदेशक प्रो० एल०के० सिंह, तकनीकी संकायाध्यक्ष डॉ० कुमुद उपाध्याय द्वारा भी संबोधित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 107 पंजीकृत फार्मासिस्टों ने प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी बताते हुए विश्व फार्मासिस्ट दिवस की उपलक्ष पर ऐसे आयोजन की आवश्यकता व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन आयोजक सचिव डॉ० महेंद्र राणा ने किया।

2.8 डी०एस०बी० परिसर में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान

कुमाऊं विश्वविद्यालय के डी०एस०बी० परिसर में दिनांक 14 अक्टूबर 2023 को नशे में खिलाफ बड़ी मुहिम प्रारंभ की गई तथा सैकड़ों विद्यार्थियों ने नशा मुक्त परिसर के लिए प्रतिज्ञा ली। उत्तराखंड सरकार के निर्देशानुसार परिसर निदेशक प्रो० नीता बोरा की अध्यक्षता एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० संजय पंत के संयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना, नेशनल कैडेट कोर के साथ ही सैकड़ों विद्यार्थियों

एवं प्राध्यापकों ने नशा मुक्ति अभियान चलते हुए पूरे परिसर में नशा मुक्ति का नारा दिया।

इस अवसर पर पूरा परिसर "देश को स्वस्थ बनाना है, नशे के मार भागना है", "स्वास्थ भारत, नशामुक्त भारत" एवं "काजू किशमिश खायेंगे, नशे के दूर भगाएंगे" इत्यादि नारों से गुंजायमान हो गया। इसी के साथ प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने तिरंगे के नीचे खड़े होकर नशे से दूर रहने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन सेमिनार हॉल में राष्ट्रगान के साथ हुआ।

3. नवीन पहल एवं नवाचार

3.1 विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं संबद्ध संस्थानों के लिए कुलपति प्रो० रावत ने लांच किया ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल

कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज में अध्ययन कर रहे लगभग एक लाख विद्यार्थी अब ऑनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। छह दिन में उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। कुलपति प्रो० डी०एस० रावत की पहल एवं मार्गदर्शन पर विवि की ईआरपी सेल द्वारा ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल को डेवलप किया गया है। इसमें न सिर्फ विद्यार्थी बल्कि शिक्षक, कर्मचारी और संबद्ध संस्थान भी अपनी समस्याएं व शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

शुक्रवार, 11 अगस्त 2023 को ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल ई-समाधान को लांच करते हुए कुलपति प्रो० रावत ने बताया कि कुमाऊं विवि की वेबसाइट www.kunainital.ac.in में ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल ई-समाधान में रजिस्ट्रेशन कर अकाउंट बनाना होगा। इसके बाद ई-मेल व मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉग-इन करना शिकायत दर्ज करा सकते हैं। विद्यार्थी की ओर से की गई शिकायत जिस विभाग से संबंधित होगी वह उसी विभाग को स्थानांतरित कर दी जाएगी। शिकायतकर्ता अपनी समस्या के स्टेटस के बारे में भी जानकारी ले सकते हैं।

कुमाऊं विवि

कुलपति प्रो. रावत ने लांच किया ग्रीवांस रिड्रेसल पोर्टल

छात्र अब ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे शिकायत

संवाद न्यूज एजेंसी

06
दिन में समस्या का समाधान करने का दावा

कुविवि के ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल लांच करते कुलपति प्रो. डीएस रावत। संवाद

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज में अध्ययन कर रहे लगभग एक लाख विद्यार्थी अब ऑनलाइन माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। छह दिन में उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। कुलपति प्रो. डीएस रावत ने ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल लांच किया है। इसमें न सिर्फ विद्यार्थी बल्कि शिक्षक, कर्मचारी और संबद्ध संस्थान भी अपनी समस्याएं व शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

शुक्रवार को ई-समाधान ग्रीवेंस रिड्रेसल पोर्टल को लांच करते हुए प्रो. रावत ने बताया कि कुमाऊं विवि की वेबसाइट www.kunainital.ac.in में ग्रीवांस के विकल्प में रजिस्ट्रेशन कर अकाउंट बनाना होगा। इसके बाद ई-मेल व मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉग-इन करना शिकायत दर्ज करा सकते हैं। विद्यार्थी की ओर से की गई शिकायत जिस विभाग से संबंधित होगी वह उसी विभाग को स्थानांतरित कर दी जाएगी। शिकायतकर्ता अपनी समस्या के स्टेटस के बारे में भी जानकारी ले सकते हैं।

विवि के ईआरपी सेल के प्रभारी केके पांडेय ने बताया कि पोर्टल में अन्य फीचर्स को जोड़ा जा रहा है जिससे यह बहुउपयोगी साबित हो सके। यहां वित्त नियंत्रक अनिता आर्य, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. संजय पंत, प्रो. एमसी जोशी, प्रो. अमित जोशी, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. महेंद्र राणा, उप कुलसचिव दुर्गेश डिमरी आदि रहे।

कुमाऊं विश्वविद्यालय ने जारी किए परीक्षाफल

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को कई परीक्षाफल जारी किए हैं। उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि विवि ने बीकॉम प्रथम वर्ष, पीजी डिप्लोमा इन योग प्रथम सेमेस्टर, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी इंटीग्रेटेड प्रथम सेमेस्टर, डीएचएम प्रथम सेमेस्टर और एलएलएम चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षाफल जारी किया है। संवाद

विवि के ईआरपी सेल के प्रभारी श्री के०के० पांडेय ने बताया कि पोर्टल में अन्य फीचर्स को जोड़ा जा रहा है जिससे यह बहुउपयोगी साबित हो सके।

इस अवसर पर वित्त नियंत्रक श्रीमती अनिता आर्य, प्रो० संतोष कुमार, प्रो० संजय पंत, प्रो० एम०सी० जोशी, प्रो० अमित जोशी, डॉ० अशोक कुमार, डॉ० महेंद्र राणा, उप कुलसचिव श्री दुर्गेश डिमरी आदि रहे।

3.2 अमर शहीद मेजर राजेश अधिकारी के नाम पर होगा विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का नाम

कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में जल्द ही कारगिल शहीद और परिसर के पूर्व छात्र रहे मेजर राजेश अधिकारी के नाम पर केंद्र बनाया जाएगा।

मेजर अधिकारी के नाम से होगा डीएसबी परिसर के एक विभाग का नाम

कारगिल युद्ध में हुए थे शहीद

नैनीताल। कुमाऊं विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि महावीर चक्र से सम्मानित व कुविवि के छात्र रहे शहीद मेजर राजेश अधिकारी को यथोचित सम्मान देने के लिए डीएसबी परिसर के किसी विभाग या पुस्तकालय का नाम मेजर अधिकारी के नाम से होगा।

राजेश सिंह अधिकारी का जन्म 25 दिसंबर 1970 को नैनीताल में हुआ। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा सेंट जोसेफस कॉलेज से 1987 में और माध्यमिक शिक्षा राजकीय इंटर कॉलेज नैनीताल से हुई। उन्होंने बीएससी कुमाऊं यूनिवर्सिटी, नैनीताल से की। शुरुआत से ही सेना के प्रति उनमें जो जज्बा था वो उन्हें प्रतिष्ठित भारतीय सैन्य अकादमी में ले गया और 11 दिसंबर 1993 को मेजर राजेश सिंह अधिकारी भारतीय सैन्य अकादमी से ग्रेनेडियर में कमिशन हुए। साल 1999 के कारगिल युद्ध में

उत्तराखंड के 75 जांबाज बेटों ने देश की हिफाजत के खातिर अपनी जान कुर्बान कर दी थी। इनमें एक नाम नैनीताल के मेजर राजेश अधिकारी भी शामिल था। जिनकी वीरता की कहानी सुनकर सभी का सीना गर्व से फूल जाता है। राजेश अधिकारी ने खुद गोली से छलनी होकर भी दुश्मनों के बंकर तबाह कर दिए थे, अदम्य साहस से प्वाइंट 4590 पर कब्जा कर शहादत प्राप्त की। मेजर राजेश अधिकारी की वीरता एवं सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. रावत ने ने कहा कि भले ही आज कारगिल युद्ध को 24 साल पूरे हो गए हों लेकिन कारगिल युद्ध में अपनी शहादत देने वाले शहीद मेजर राजेश अधिकारी आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। मेजर राजेश अधिकारी के समय में डीएसबी परिसर के विद्यार्थी रहे वर्तमान में कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने बताया कि मेजर राजेश अधिकारी ने कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर से बीएससी की थी। लेकिन राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले महावीर चक्र से सम्मानित विवि के एलुमनाई को विवि की ओर से वो सम्मान नहीं मिल सका जिसके वह हकदार थे। बहुत से नए विद्यार्थी तो जानते भी नहीं कि वे डीएसबी में पढ़े भी थे। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि मैं और राजेश अधिकारी एक ही समय में इस परिसर में पढ़े हैं। कुलपति प्रो. रावत ने कहा कि युवाओं को देशसेवा की प्रेरणा देने और मेजर राजेश अधिकारी को यथोचित सम्मान देने के लिए उनके नाम पर यहां एक विशिष्ट केंद्र बनाया जाएगा। यह कोई विभाग या पुस्तकालय के रूप में भी हो सकता है। इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने 15 अगस्त 2023 को इसकी घोषणा की।

कुलपति प्रो० रावत ने कहा कि राजेश अधिकारी ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर से बीएससी की थी। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया जिसके लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया लेकिन विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें वो सम्मान नहीं मिल सका जिसके वह कुलपति प्रो० रावत ने कहा कि राजेश अधिकारी ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर से बीएससी की थी। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया जिसके लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया लेकिन विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें वो सम्मान नहीं मिल सका जिसके वह हकदार थे। बहुत से लोग तो जानते भी नहीं कि वे डीएसबी में पढ़े भी थे।

कुलपति ने कहा कि उन्हें गर्व है कि कभी वह और राजेश अधिकारी एक ही समय में इस परिसर में पढ़े हैं। कुलपति ने कहा कि आज के युवाओं को प्रेरणा देने और राजेश अधिकारी को यथोचित सम्मान देने के लिए उनके नाम पर यहां एक विशिष्ट केंद्र बनाया जाएगा। यह केंद्रीय पुस्तकालय के रूप में भी हो सकता है। इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

3.3 इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत बी0ए0-बी0एड0, बी0एससी0-बी0एड0 तथा बी0 कॉम0-बी0एड0 पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य हुआ आरम्भ

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल में इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत प्रारंभ हो रहे बी0ए0-बी0एड0, बी0एससी0-बी0एड0 तथा बी0कॉम0-बी0एड0 पाठ्यक्रमों में दिनांक 03 अक्टूबर 2023 को प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई तथा 80 प्रवेशार्थियों को प्रवेश दिया गया।

नई शिक्षा नीति के अनुरूप भविष्य के शिक्षकों को तैयार करने के उद्देश्य से पूरे भारत में वर्तमान शिक्षा सत्र 2023-24 से चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित किया गया है, जिसमें एन०सी०टी०ई० द्वारा पूरे देश में कुमाऊँ विश्वविद्यालय सहित 42 शैक्षिक संस्थाओं को इंटीग्रेटेड बी0ए0-बी0एड0, बी0एससी0-बी0एड0 तथा बी0कॉम0-बी0एड0 पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने की अनुमति दी गई है।

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल में शिक्षा संकाय के प्रभारी संकायाध्यक्ष प्रो० अतुल जोशी ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को संपादित कराने के पश्चात मा० कुलपति के दिशानिर्देशों के अनुपालन में 9 अक्टूबर 2023 से उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया है।

3.4 कुलपति कुविवि द्वारा पारदर्शिता एवं वित्तीय शुचिता हेतु गोपनीय मुद्रण को भी टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से किये जाने का लिया महत्वपूर्ण निर्णय

विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यों में तथा परीक्षा अनुभाग के गोपनीय मुद्रण हेतु पूर्व से संचालित व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए माननीय कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा एक नई पहल की गई है, जो उत्तराखंड राज्य सहित कई अन्य राज्यों के लिए भी मील का पत्थर साबित होगी।

गोपनीय मुद्रण में प्रतिस्पर्धा एवं सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु तथा विश्वविद्यालय के कार्यों में पारदर्शिता एवं शुचिता लाए जाने हेतु,अन्य विश्वविद्यालयों में मुद्रण कार्यों में अनुभव प्राप्त समस्त मुद्रकों को गोपनीय कार्य में सहभागिता हेतु टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से आमंत्रित किया है।

माननीय कुलपति जी की इस पहल से गोपनीय मुद्रण में जहां एक ओर जन सहभागिता सुनिश्चित होगी, वही समस्त प्रतिस्पर्धी मुद्रकों को समान अवसर भी प्रदान करेगी। इस पहल से विश्वविद्यालय को भी आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त होगा, जहां प्रतिस्पर्धी कीमतों से उचित मुल्यों का निर्धारण होगा, वहीं अपेक्षित बचत से विश्वविद्यालय हित में शोध एवं अन्य विकास कार्यों को वित्त पोषित किया जा सकेगा।

नए सिस्टम से विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली में बढ़ेगी पारदर्शिता, बेतहाशा खर्च पर अब लगेगा प्रभावी अंकुश

कुविवि में परीक्षा प्रश्नपत्र सहित अन्य कार्य के प्रिंटर का चयन अब कोड से

दिनेश जोशी • नैनीताल

कुमाऊं विवि की परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व मितव्ययता के लिए कुलपति ने मास्टर स्ट्रोक चल दिया है। अब कुमाऊं विवि में दिल्ली विवि की तर्ज पर प्रश्नपत्र सहित परीक्षा से संबंधित अन्य छपाई कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। निविदा में फर्मों से पोस्ट आफिस में पोस्ट बाक्स नंबर में निविदा डालने को कहा गया है। इसके बाद निविदा फर्मों की गोपनीय कोडिंग रजिस्ट्रार करेंगे, फिर कमेटी के सामने उसे खोलने के साथ ही फर्म चयन की संस्तुति कोड देकर कुलपति को भेजी जाएगी। कुलपति को भी फर्म का नाम नहीं बताया जाएगा। राज्य में पहली बार किसी विवि ने इस तरह की साहसिक पहल की है। इससे विवि में परीक्षा के बहाने होने वाले करोड़ों के खर्च में कमी आएगी, इससे प्राप्त रकम का उपयोग शोध कार्यों तथा विवि के ढांचागत सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा।

कुमाऊं विवि में प्रश्नपत्र से लेकर परीक्षा से संबंधित प्रकाशनों में बेतहाशा रकम खर्च होती रही है। नियमानुसार परीक्षा कार्यों में खर्च का किसी भी विवि में आडिट नहीं होता, ऐसे में परीक्षा से संबंधित प्रशासनिक सहित अकादमिक स्तर के अहम पदों को प्रिंटर फर्म अंडर द टेबल लाभ देने से भी नहीं हिचकिचाती। परीक्षा विभाग में अंधाधुंध खर्च को नियंत्रित करने, पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के मकसद से कुलपति प्रो डीएस रावत ने साहसिक कदम उठाया है।

रजिस्ट्रार की अध्यक्षता में बनी कमेटी

परीक्षा विभाग से संबंधित प्रिंटर फर्म के चयन के लिए निविदा जारी की गई है। रजिस्ट्रार की अध्यक्षता में बनी कमेटी में परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक तथा विज्ञान संकायाध्यक्ष को शामिल किया गया है। कुलपति के अनुसार पोस्ट आफिस में स्थापित पोस्ट बाक्स नंबर के बाक्स में पड़ी बिड को रजिस्ट्रार गोपनीय तौर पर खोलेंगे और हर फर्म में अलग-अलग कोड नंबर आवंटित कर देंगे। इसके बाद कमेटी के समक्ष किसी फर्म का नहीं कोड प्रस्तुत किया जाएगा। जिसमें से एक का चयन कर कुलपति को संस्तुति की जाएगी।

दिल्ली विवि में लागू है सिस्टम : दिल्ली विवि के परीक्षा विभाग की ओर से पेपर सहित परीक्षा से संबंधित प्रिंटर फर्म के चयन का यही फार्मूला है। जबकि उत्तराखंड के किसी विवि में यह व्यवस्था पहली बार लागू की जा रही है। बकौल कुलपति नवंबर में सेमेस्टर परीक्षा में इस व्यवस्था को लागू करने का लक्ष्य है।

3.5 विश्वविद्यालय में होगी विजिटिंग/मानद प्राध्यापक निदेशालय (Directorate of Visiting/Honorary Professors) की स्थापना

अध्येताओं को ज्ञान के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए योगदान के लिए मान्यता प्रदान करने के साथ ही प्रख्यात शिक्षाविदों और अध्येताओं के ज्ञान का लाभ विश्वविद्यालय को प्राप्त हो सके इस हेतु कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत की अभिनव पहल से कुमाऊं विश्वविद्यालय में शीघ्र ही विजिटिंग/मानद प्राध्यापक निदेशालय की स्थापना की जायेगी।

विजिटिंग/मानद प्राध्यापक निदेशालय के माध्यम से जहाँ विदेशी शिक्षाविदों, प्राध्यापकों और उद्योग कर्मियों को मानद प्रोफेसरशिप की पेशकश की जाएगी वहीं भारतीय प्राध्यापकों/ सिविल सेवकों/न्यायाधीशों/सुरक्षा बलों के अधिकारियों आदि को विजिटिंग प्रोफेसरशिप की पेशकश की जाएगी। इस हेतु अलग से फंडिंग का प्रावधान किया गया है। इससे जहाँ शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ाना मिलेगा वहीं रचनात्मक सोच और नवाचार कौशल के कई नए विचार सामने आएंगे।

3.6 कुमाऊं विश्वविद्यालय ने शोध को बढ़ावा देने के लिए रॉकहिल एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया अनुबंध

कुमाऊं विश्वविद्यालय ने शोध को बढ़ावा देनेके लिए कृषि आधारित कंपनी रॉकहिल एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध किया है। यह संस्थान औषधीय एवं सगंध पादपों के रासायनिक अव्ययों, जैविक गतिविधि के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन हिमालयन

कुमाऊं विवि ने शोध के लिए अनुबंध किया

नैनीताल। कुविवि ने शोध को बढ़ावा देने को रॉकहिल एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध किया है। यह संस्थान औषधीय एवं सगंध पादपों के रासायनिक अव्ययों, जैविक गतिविधि के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन हिमालयन मेडिसिनल प्लांट्स एंड नैनो टेक्नोलॉजी तथा संबंधित विभागों को सैंपल उपलब्ध कराएगा। अनुबंध पर हस्ताक्षर कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलसचिव दिनेश चंद्र एवं रॉकहिल एग्रोटेक देहरादून के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय पाल सिंह पंवार ने किए हैं। अनुसंधान कार्य कुमाऊं विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष बायोमेडिकल संकाय डॉ. महेंद्र राणा के नेतृत्व में होगा।

मेडिसिनल प्लांट्स एंड नैनो टेक्नोलॉजी तथा संबंधित विभागों को सैंपल उपलब्ध कराएगा।

अनुबंध पर हस्ताक्षर कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलसचिव दिनेश चंद्र एवं रॉकहिल एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड देहरादून के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय पाल सिंह पंवार ने किए हैं।

कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत और पूर्व वैज्ञानिक डॉ० अजय कुमार सिंह रावत के समक्ष समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

क्षेत्रीय विकास संस्थान कीर्तिनगर टिहरी गढ़वाल की ओर से पहली बार इसकी व्यवसायिक खेती की शुरुआत की गई है। यदि इसके संवर्धन एवं मूल्य वर्धन पर काम किया जाए तो यह पहाड़ की कृषि में एक क्रांति ला सकती है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने कहा कि इस अनुबंध से विवि के शोध को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी और साथ ही यह अनुबंध उत्तराखंड के लोगों के जीवन और जीविका के विकास को आगे बढ़ने में मदद देगा।

3.7 विश्वविद्यालय में छात्रों को नवाचार के लिए मिलेगा फंड

विवि में छात्रों को नवाचार के लिए मिलेगा फंड

पहल

किशोर जोशी, नैनीताल

कुमाऊं विवि के अधीन कालेजों में नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए विवि की ओर से जल्द ओपन आइडिया प्रोग्राम लांच किया जाएगा। रचनात्मक विचारों में निपुण व उत्साही छात्रों के लिए इंटरनेट मीडिया चैंपियन प्रोग्राम भी चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत विद्यार्थी नवाचार आधारित पांच मिनट का वीडियो बनाएंगे। हर विभाग से चयनित दो वीडियो को पुरस्कृत किया जाएगा। नवाचार के चयनित प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय की ओर से फंड मुहैया कराया जाएगा।

12वीं के छात्रों को पढ़ाएंगे पाठ

कुमाऊं विवि अब 12वीं के छात्रों को विवि में आमंत्रित कर उनको शोध-अध्ययन के तरीके बताने के साथ ही विश्वविद्यालयों के लिए तैयार करेगा। इसके तहत विवि की ओर से दो दिन 12वीं बोर्ड परीक्षा के छात्रों को बुलाया जाएगा। प्राध्यापकों व विषय विशेषज्ञों के माध्यम से उन्हें विवि के शैक्षणिक माहौल के साथ ही उनकी जिज्ञासा का समाधान किया जाएगा। असल में कुमाऊं विवि के परिसरों में प्रवेश की बजाय छात्रों का दूसरे राज्यों सहित दून के कालेजों में प्रवेश को लेकर रुचि बढ़ी है। इससे विवि प्रशासन भी चिंतित है। कुलपति का लक्ष्य है कि फिर छात्रों की पहली पसंद कुमाऊं विवि के कालेज ही बनें।

कुमाऊं विश्वविद्यालय जल्द ही छात्रों में नवाचार व रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए प्रोग्राम लांच करने जा रहा है, जिसकी तैयारी हो चुकी है। प्रयास है कि छात्रों के नवाचार का विवि व प्रदेश हित में उपयोग हो, उसे धरातल में उतारा जाए। हर कक्षा में ओपन आइडिया आधारित कार्यक्रम चलेगा। हर विभाग से दो ऐसे उत्साही छात्रों का चयन किया जाएगा जो नवाचार को आगे बढ़ाएंगे। – **प्रो. दीवान सिंह रावत**, कुलपति, कुमाऊं विवि

पाठ्यक्रम व शोध समिति में होंगे उद्योग विशेषज्ञ

जासं, नैनीताल : कुमाऊं विवि की पाठ्यक्रम समिति व शोध समिति में अब प्रतिष्ठित उद्योगों से विशेषज्ञों को सदस्य के रूप में नामित किया जाएगा। कुलपति प्रो. डीएस रावत के निर्देश पर कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने डीएसबी व भीमताल परिसर के विभागाध्यक्षों व संकायाध्यक्षों से विषय विशेषज्ञों का बायोडाटा उपलब्धियों के साथ भेजने के लिए कहा है। कुमाऊं विवि में कालेज स्तर से छात्रों के निजी क्षेत्र में नौकरियों में प्लेसमेंट का प्रतिशत बेहद कम है। इससे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश भी कम हो रहे हैं।

कुमाऊँ विश्वविद्यालय के अधीन संस्थानों/ महाविद्यालयों में अब कुलपति कुमाऊँ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत के प्रयासों से नवाचार को बढावा दिया जायेगा। इसके लिए जल्द ही ओपन आईडिया प्रोग्राम लांच किया जायेगा साथ ही रचनात्मक विचारों में निपुण व उत्साही छात्रों के लिए इन्टरनेट मीडिया चैम्पियन प्रोग्राम भी चलाया जायेगा।

इसके अंतर्गत विद्यार्थी नवाचार आधारित पांच मिनट का विडियो बनायेंगे। हर विभाग से चयनित दो विडियो को पुरस्कृत किया जायेगा। नवाचार के चयनित प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा फंड उपलब्ध कराया जायेगा।

3.8 सहायक प्राध्यापक के नाम से जाने जाएंगे 115 संविदा और अतिथि शिक्षक

कुमाऊं विवि के 115 संविदा और अतिथि शिक्षकों को अब सहायक प्राध्यापक के नाम से जाना जाएगा। कुमाऊं विवि ने व्यवस्थाओं में बदलाव करते हुए यह निर्णय लिया है।

कुमाऊं विवि ने डीएसबी परिसर और सर जेसी बोस तकनीकी परिसर भीमताल में संविदा और अतिथि शिक्षकों को नियुक्ति दी है। ऐसे में अन्य संस्थानों में उक्त प्राध्यापकों को नियुक्ति के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में संकायाध्यक्षों की बैठक में इस मामले को उठाया गया जिसके बाद कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने व्यवस्थाओं में बदलाव करते हुए निर्णय लिया कि ऐसे सभी संविदा और अतिथि शिक्षकों को सहायक प्राध्यापक का पदनाम दिया जाएगा। सहायक प्राध्यापक पदनाम मिलने से संविदा व अतिथि शिक्षकों को अन्य संस्थानों में नियुक्तियों में आसानी होगी।

सहायक प्राध्यापक के नाम से जाने जाएंगे 115 संविदा और अतिथि शिक्षक

पंकज कुमार

नैनीताल। कुमाऊं विवि के 115 संविदा और अतिथि शिक्षकों को अब सहायक प्राध्यापक के नाम से जाना जाएगा। कुमाऊं विवि ने व्यवस्थाओं में बदलाव करते हुए यह निर्णय लिया है। सहायक प्राध्यापक पदनाम मिलने से संविदा व अतिथि शिक्षकों को अन्य संस्थानों में नियुक्तियों में आसानी होगी।

कुमाऊं विवि ने डीएसबी परिसर और सर जेसी बोस तकनीकी परिसर भीमताल में संविदा और अतिथि शिक्षकों को नियुक्ति दी है। ऐसे में अन्य संस्थानों में उक्त प्राध्यापकों को नियुक्ति के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में संकायाध्यक्षों की बैठक में इस मामले को उठाया गया जिसके बाद कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. डीएस रावत ने व्यवस्थाओं में बदलाव करते हुए निर्णय लिया कि ऐसे सभी संविदा और अतिथि शिक्षकों को सहायक प्राध्यापक का पदनाम दिया जाएगा। हालांकि उनके मानदेय में कोई बदलाव नहीं होगा जिसके बाद विवि ने दोनों की परिसरों में अतिथि और संविदा शिक्षकों को चिह्नित किया। इस दौरान पाया कि 62 अतिथि और 53 सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में संविदा पर शिक्षक हैं जिसके बाद विवि ने सभी कुल 115 अतिथि व संविदा शिक्षकों को सहायक प्राध्यापक पदनाम देने में मुहर लगा दी है। ताकि उन्हें नियुक्ति के दौरान परेशानी न हो।

कुमाऊं विवि ने व्यवस्थाओं में किया बदलाव

कुमाऊं विवि में कुल 115 अतिथि व संविदा शिक्षक हैं जिनके पदनाम में बदलाव किया गया है। इन्हें अब सहायक प्राध्यापक के नाम से जाना जाएगा। ताकि उक्त शिक्षकों को नियुक्ति के दौरान कोई दिक्कत न हो।

- प्रो. दीवान सिंह रावत, कुलपति कुमाऊं विवि नैनीताल।

संविदा व अतिथि शिक्षकों को अन्य संस्थानों में नियुक्त के दौरान हो रहीं थी दिक्कतें

अमर उजाला एक्सक्लूसिव

3.9 अब कुलपति की कक्षा में कुविवि के छात्र करेंगे पढाई

कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा प्रशासनिक कार्यों से समय निकालकर स्वयं कक्षा में पढाने का निर्णय लेकर नई पहल की है। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहला अवसर है कि जब कुलपति की कक्षा में छात्र पढाई करेंगे। कुलपति प्रो० रावत द्वारा डी०एस०बी० परिसर में रसायन विज्ञानं की कक्षाएं ली जायेगी।

कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति छात्रों को पढ़ाएंगे

नैनीताल, संवाददाता। कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने नई पहल शुरू की है। उन्होंने स्वयं कक्षा में पढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रशासनिक कार्यों से समय निकालकर वह कक्षाएं लेंगे, पर यह पहला मौका होगा जब कुविवि में कुलपति की कक्षा में छात्र पढ़ेंगे। कुलपति प्रो. डीएस रावत रसायन विज्ञान की कक्षाएं लेंगे।

बता दें कि वर्ष 1973 में स्थापित कुमाऊं विवि में अब तक दो दर्जन से अधिक बुद्धिजीवी कुलपति का कार्यभार संभाल चुके हैं, लेकिन विवि के कामकाजों पर सुपरविजन से ही समय मिलना किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे में किसी भी कुलपति की ओर से मुख्यालय के अलावा अन्य क्रिया कलाप नहीं किए गए, लेकिन अब विवि नए कुलपति प्रो. डीएस रावत ने स्वयं कक्षा पढ़ाने का मन बनाया है। डीएसबी परिसर के विज्ञान संकाय से वह इस पहल की शुरुआत करेंगे।

3.9 डी०एस०बी० परिसर के जंतु विज्ञान विभाग में बायोफ्लॉक फिश टेक्नोलॉजी सेंटर की होगी स्थापना

दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को डी०एस०बी० परिसर के जंतु विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित हुई, जिसमें जंतु विज्ञान विभाग में बायोफ्लॉक फिश टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा की गई। कार्यशाला में फिश टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों द्वारा अपने कार्य-अनुभव साझा किये।

बायोफ्लॉक फिश टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना में कुमाऊँ विश्वविद्यालय की मदद के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से इस क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉ० आई०एम० लुकराम को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर मा० कुलपति प्रो० रावत ने बताया कि यह केंद्र ना केवल नैनी झील से विलुप्त हो चुकी मछलियों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन का प्रयास करेगा बल्कि छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित भी करेगा।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 18 अक्टूबर, 2023
आजकल
14
www.jagran.com

अमेरिका में प्रदर्शित हुई डिज्नी की लोकप्रिय फिल्म द जंगल बुक

1967 में आज ही के दिन अमेरिका में दुनिया की सबसे लोकप्रिय फिल्मों में से एक डिज्नी की एनिमेटेड फिल्म द जंगल बुक प्रदर्शित हुई थी। 40 लाख डालर की लागत से बनी इस फिल्म ने 38 करोड़ डालर की कमाई की थी। यह फिल्म रुड्यार्ड किपलिंग की किताब पर आधारित थी।

रक्त प्रवाह बनाए रखने के लिए यांत्रिक हृदय का उपयोग

1952 में आज ही के दिन अमेरिका में 41 वर्षीय व्यक्ति के हृदय के 80 मिनट के आपरेशन के दौरान रक्त प्रवाह को बनाए रखने के लिए पहली बार एक यांत्रिक हृदय का उपयोग किया गया था। डोड्रिल जीएमआर मैकेनिकल हार्ट को डाक्टर फारेस्ट डोड्रिल ने विकसित किया था।

नैनी झील का ईको सिस्टम सुधारेगा स्नो ट्राउट

- बायोफ्लाक फिश टेक्नोलाजी का किया जाएगा
- दिल्ली के किरोड़ीमल कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. आइएम लुकराम ने सुझाया तरीका

कुमाऊं विश्वविद्यालय की ओर से नैनी झील में शिकारी मछली कामन कार्प की संख्या बढ़ने के कारण बिगड़ रहे जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र (ईको सिस्टम) को पुनर्जीवित करने के लिए अभिनव प्रयोग शुरू हो रहा है। विवि की ओर से झील में बेहद कम रह चुकी साइजोथेरेक्स या स्नो ट्राउट मछली की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके लिए विवि के जंतु विज्ञान विभाग के समीप बायोफ्लाक फिश टेक्नोलाजी सेंटर बनाया जा रहा है। प्रयोग सफल होने पर विश्वविद्यालय की स्थानीय लोगों के प्रशिक्षण के लिए कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की भी योजना है। मौखिक सहमति भी दे दी गई है। प्रस्ताव जल्द मुहैया करावाया जाएगा। नैनीताल से किशोर जोशी की रिपोर्ट :

नैनी झील। फाइल

15 प्रजातियों की मछलियों के साथ छोड़ी गई थी कामन कार्प

नैनी झील में जहरीली मछलियों की संख्या बढ़ रही है। इससे झील का पारिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ा रहा है। झील में जलीय पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए 15 मछलियों की प्रजातियां जैसे महाशीर, बिगहेड, स्नो ट्राउट, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प, गंबूसिया के साथ ही कामन कार्प भी छोड़ी गई थी।

" यह केंद्र न केवल नैनी झील से विलुप्त हो चुकी मछलियों के संरक्षण का प्रयास करेगा, बल्कि छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित भी करेगा।

–प्रोफेसर डीके रावत, कुलपति

ऐसे काम करता है बायोफ्लाक सिस्टम

इस तकनीक में मछली पालन के लिए टैंक बनाया जाता है। जिसमें मछलियों के लिए दाना छोड़ा जाता है। मछलियां इसका सेवन कर अपशिष्ट छोड़ती हैं। यह अपशिष्ट दाने के साथ टैंक की तली में बैठ जाता है। जिसको रिसाइक्लिंग के लिए बायोफ्लाक बैक्टीरिया छोड़ा जाता है। यह बैक्टीरिया मछली के अपशिष्ट को प्रोटीन में बदल देता है। जिससे मछलियों का प्रोटीनयुक्त चारा दोबारा तैयार हो जाता है।

बायोफ्लाक विधि से मछली उत्पादन। फाइल

बढ़ाता है नाइट्रोजन और फास्फोरस

कामन कार्प मछली की अधिकता की वजह से झील में नाइट्रोजन व फास्फोरस का स्तर बढ़ रहा है। जिससे पानी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है। इसलिए इसे जहरीली मछली कहा जाता है। अब कुमाऊं विवि ने झील के ईको सिस्टम में सुधार के लिए बायोफ्लाक फिश टेक्नोलाजी सेंटर की स्थापना का निर्णय लिया है। साथ ही साइजोथेरेक्स रिचार्ज सोनाई या स्नो ट्राउट मछलियों की संख्या को बढ़ाया जाएगा।

स्नो ट्राउट। फाइल

कामन कार्प आबादी 60 प्रतिशत से अधिक

जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि पंतनगर के हालिया सर्वे के अनुसार कामन कार्प मछली की संख्या 60 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो झील के ईको सिस्टम को बिगाड़ रहा है। इस सिस्टम को ठीक करने के लिए ही यह पहल की जा रही है।

कामन कार्प। फाइल

झील के ईको सिस्टम में सुधार को प्रो. लुकराम के टिप्स

दिल्ली के किरोड़ीमल कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. आइएम लुकराम ने सोमवार को प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बायोफ्लाक फिश टेक्नोलाजी यानी संरक्षित मछली पालन के टिप्स दिए।

- मछली पालन करते समय पानी और टैंक का तापमान चेक किया जाता है।
- मछलियो की भी निगरानी की जाती है। टैंक में पल रही मछलियों को पक्षियों से बचाने के लिए शेड नेट का उपयोग किया जाता है।
- बायोफ्लाक टैंक में मछलियों के लिए आक्सीजन का लेवल कंट्रोल करना होता है, जिसके लिए मोटर लगाई जाती है।

4. विविध

विगत तीन माह में लिए गए अन्य महत्वपूर्ण निर्णय/कार्यवाही :

4.1 कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने डी०एस०बी० परिसर में शिक्षकों से सीधा संवाद किया। अपने संवाद में कुलपति ने शिक्षा की गुणवत्ता, शैक्षणिक परिसर, शोध एवं नवाचार, नीतिगत मुद्दों सहित अन्य विषयों पर बातचीत की एवं संबंधित विषयों में सुझाव भी मांगे।

विद्यार्थियों के हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का आह्वान करते हुए कुलपति प्रो० रावत ने कहा कि बतौर शिक्षक हमें केवल विद्यार्थियों तथा संस्थान के लिए हमारे समर्पण व प्रतिबद्धता के लिए ही याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की छवि इस बात से सीधे प्रभावित होती है कि वहां के विद्यार्थियों को कैसा अनुभव प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य सबसे महत्वपूर्ण दायित्व के रूप में पूरे समाज में मान्य है जो पक्षपात पूर्ण रहित और किसी भी राजनीति से प्रेरित नहीं होता।

छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए कार्य करें शिक्षक

शिक्षा और शोध में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की जरूरत, कुलपति प्रो. रावत ने डीएसबी परिसर में प्राध्यापकों से किया संवाद

डीएसबी परिसर में प्राध्यापकों के साथ कुलपति

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने मंगलवार को डीएसबी परिसर में शिक्षकों से संवाद किया।

कुलपति प्रो.रावत ने शिक्षा की गुणवत्ता, शैक्षणिक माहौल, शोध एवं नवाचार, नीतिगत मुद्दों सहित अन्य विषयों पर बातचीत की एवं संबंधित विषयों में सुझाव भी मांगे। इस दौरान कुलपति प्रो. रावत ने कहा कि बतौर शिक्षक हमें केवल विद्यार्थियों तथा संस्थान के लिए समर्पण व प्रतिबद्धता के लिए ही याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की छवि इस बात से सीधे प्रभावित होती है कि वहां के विद्यार्थियों को कैसा अनुभव प्राप्त होता है। कहा कि शिक्षण कार्य सबसे महत्वपूर्ण दायित्व के रूप में पूरे समाज में मान्य है, जो पक्षपात रहित और किसी भी राजनीति से प्रेरित नहीं होता। इसलिए शिक्षकों का दायित्व है कि तनमन से अपनी पूरी मेधा और क्षमता का प्रयोग विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए करें। उन्होंने कहा कि विश्व के अच्छे विश्वविद्यालयों में हम काफी पीछे हैं। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए ज्ञान, सृजन व चरित्र निर्माण करना महत्वपूर्ण है। शोध कार्य पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नोबेल पुरस्कार शोध से ही प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता हेतु नयी-नयी तकनीकी व स्वदेशी को युग अनुकूल बना कर हम वैश्विक परिदृश्य में पुनः विश्वगुरु बन सकते हैं। कुलपति प्रो. रावत ने कहा कि कुमाऊं विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में शामिल करने हेतु शिक्षा और शोध में नवाचार और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की जरूरत है। वर्तमान समय में शिक्षक का काम केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं है, बल्कि वह मल्टीटास्किंग चेंज एजेंट की तरह काम करता है। शिक्षक नवाचार के द्वारा पढ़ाने में नवीन ज्ञान, कौशलों, दक्षताओं, शिक्षण विधियों, तकनीकों और अनुसंधान को प्रयोग में लाये जिससे छात्रों को उन कौशलों से अवगत कराकर उनकी प्रतिभा में निखार ला सकें। उन्होंने कहा कि कुमाऊं विश्वविद्यालय की विरासत अत्यंत गौरवपूर्ण हैं। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी व निष्ठापूर्वक तरीके से निर्वहन कर इस विरासत को आगे ले जाना हमारी जिमेदारी है। शिक्षक आपसी सामंजस्य बनाकर समस्याओं का समाधान निकाले। उन्होंने शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के निवारण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन हर संभव कदम उठाएगा। प्रो. रावत ने बताया कि प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की शिकायतों के निष्पादन हेतु ग्रीवेंस सेल का गठन कर दिया है। ग्रीवेंस सेल के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी अब विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं साथ ही 6 कार्यदिवसों के भीतर शिकायत का निष्पादन नहीं होने पर कुलपति को ईमेल के माध्यम से अवगत करा सकते हैं। इससे पूर्व नवनियुक्त कुलपति प्रो. रावत के प्रथम बार परिसर आगमन पर परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. एलएस लोधियाल तथा प्रधान कुलानुशासक प्रो. नीता बोरा शर्मा के साथ ही सभी शिक्षकों द्वारा पुष्प-गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी, प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसलिए शिक्षकों का दायित्व है कि तन मन से अपनी पूरी मेधा और क्षमता का प्रयोग विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए करें।

4.2 कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में विभिन्न अनुभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को कार्य-प्रणाली में सुधार करने के निर्देश दिए गए साथ ही समय पर कार्यालय आने की हिदायत दी। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं को भी सुना और विश्वविद्यालय की बेहतरी व गुणवत्ता के लिए काम करने कहा।

कुलपति प्रो० रावत ने निरिक्षण के दौरान अनुभागों में कुछ कर्मचारियों की

कार्यप्रणाली में सुधार लाएं कर्मचारी: कुलपति

आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में विभिन्न अनुभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को कार्य-प्रणाली में

कुलपति प्रो. रावत ने किया प्रशासनिक भवन में विभिन्न अनुभागों का औचक निरीक्षण

सुधार करने के निर्देश दिए गए साथ ही समय पर कार्यालय आने की हिदायत दी। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों की समस्याओं को भी सुना और विश्वविद्यालय की बेहतरी व गुणवत्ता के लिए काम करने कहा। कुलपति प्रो. रावत सुबह सीधे प्रशासनिक भवन के फर्स्ट फ्लोर स्थित ई0आर0पी सेलए मान्यता अनुभाग एवं परीक्षा अनुभाग में गए और वहां रखी फाइलों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद ग्राउंड फ्लोर स्थित वित्त अनुभागए गोपनीय अनुभाग में पहुंचे और उपस्थिति रजिस्ट्रर व अन्य रिकार्ड की जांच पड़ताल की। अनुभागों में फाइलों के ढेर को देखकर कर्मचारियों को कार्य अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी पटल प्रभारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों को कार्यों को तय समय पर करने को कहा और इस मामले में लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों की जवाबदेही तय की। कुलपति प्रो0 रावत ने निरिक्षण के दौरान अनुभागों में कुछ कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर कुलसचिव एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित हों। इस अवसर पर उनके साथ कुलसचिव दिनेश चंद्रा, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ0 अशोक कुमार, उप कुलसचिव दुर्गेश डिमरी, निजी सचिव कुलपति एलडी उपाध्याय और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

अनुपस्थिति पर कुलसचिव एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित हों।

4.3 कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा विश्वविद्यालय के परिसरों एवम संबद्ध शिक्षण संस्थानों का समय-समय पर औचक निरीक्षण कर शैक्षिक संस्थानो की गुणवत्ता और प्रबंधन की जांच की जा रही है जिससे कि शैक्षिक मानकों का पालन और उनके सुधार का मार्ग प्रशस्त होने के साथ ही छात्रों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो सके। इसी क्रम में उनके द्वारा हल्द्वानी स्थित पाल कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजेंट का औचक निरीक्षण किया गया। कुलपति प्रो० रावत द्वारा कक्षाओं में जाकर विद्याथियों एवम शिक्षको से संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया गया।

कुलपति प्रो. रावत ने किया हल्द्वानी के पाल कॉलेज का औचक निरीक्षण

हल्द्वानी। कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो0 दीवान सिंह रावत द्वारा गुरुवार को हल्द्वानी स्थित पाल कॉलेज ऑफटेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजेंट का औचक निरीक्षण किया गया। ज्ञात हो कि कुलपति प्रो. रावत द्वारा विश्वविद्यालय के परिसरों एवम संबद्ध शिक्षण संस्थानों काऔचक निरीक्षण कर शैक्षिक संस्थानो की गुणवत्ता और प्रबंधन की जांच की जा रही है जिससे कि शैक्षिक मानकों का पालन और उनके सुधार का मार्ग प्रशस्त होने के साथ ही छात्रों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो सके। शाम को करीब सवा तीन बजे कुलपति के औचक निरीक्षण के दौरान संस्थान में कक्षाओं में शिक्षण कार्य चल रहा था। इस अवसर पर कुलपति प्रो. रावत द्वारा कक्षाओं में जाकर विद्याथियों एवम शिक्षको से संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया गया। कुलपति प्रो. रावत ने कॉलेज प्रबंधन को छात्रों के फीडबैक के आधार पर बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए कहा गया जिससे विद्यार्थियों के शैक्षिक अनुभव को बेहतर बनाया जा सके।

4.4 कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा विगत कई वर्षों से लंबित 137 विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम एवं डिग्री से संबंधित प्रकरणों का समाधान किया गया। उनके द्वारा ऐसे विद्यार्थी जिन्हें 2011 में उनके अंतिम सेमेस्टर की अंकतालिका में उत्तीर्ण घोषित किया गया था, लेकिन पूर्व सेमेस्टर की अंकतालिका के आधार पर वे डिग्री के लिए पात्र नहीं थे। इनमें से कई छात्रों को अब नौकरी मिल गई है, लेकिन विश्वविद्यालय तकनीकी कारणों से ऐसे सभी छात्रों को डिग्री जारी नहीं कर सका। कुलपति प्रो० रावत द्वारा ऐसे सभी प्रकरणों का समाधान किया गया।

4.5 कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत ने प्रशासनिक भवन में 23 सितंबर से 08 अक्टूबर तक 48 किग्रा भार कैटेगरी में चीन के हांगजाऊ में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में चयनित जू-जित्सू की खिलाड़ी कु० नव्या पांडेय को शॉल एवं ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व कु० नव्या पांडेय ने 24 से 28 फरवरी तक थाईलैंड में आयोजित एशियन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया था।

जू-जित्सू खिलाड़ी नव्या सम्मानित

संवाददाता, नैनीताल

जू-जित्सू खिलाड़ी नव्या पांडेय को सम्मानित करते कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत।

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने बुधवार को प्रशासनिक भवन में भारतीय टीम में चयनित जू-जित्सू की खिलाड़ी नव्या पांडेय को शॉल एवं ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया।

विश्वविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी नागेंद्र शर्मा ने बताया कि इंद्रा प्रियदर्शिनी राजकीय महाविद्यालय की छात्रा नव्या पांडेय 24 से 28 फरवरी तक थाईलैंड में आयोजित एशियन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त कर चुकी हैं एवं 23 सितंबर से 08 अक्टूबर तक 48 किग्रा भार कैटेगरी में चीन के हांगजाऊ में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में भाग लेंगी।

इस मौके पर कुलसचिव दिनेश चंद्रा, दुर्गेश डिमरी, डॉ महेंद्र राणा, डॉ संतोष कुमार, एलडी उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

4.6 विश्वविद्यालय में संचालित सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अध्यादेश अलग-अलग था, जिसके कारण परीक्षा परिणाम घोषित करने में देरी और त्रुटी हो रही थी।

कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एक समान अध्यादेश बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया।

20 दिन में 105 रिजल्ट घोषित करने का रिकार्ड

जासं, नैनीताल : कुमाऊं विवि में परीक्षा नियंत्रक पद पर बायोमेडिकल विभाग के प्रभारी डा महेंद्र राणा को जिम्मेदारी मिलने के बाद मात्र 20 दिन में सौ से अधिक परीक्षाफल घोषित करने का रिकार्ड कायम हो गया है। कुलपति प्रो दीवान सिंह रावत ने परीक्षा को शाबासी दी है।

10 अक्टूबर को डा. राणा को परीक्षा नियंत्रक बनाया गया था। तब से 105 परीक्षाफल घोषित किए जा चुके हैं। सोमवार को एमए समाजशास्त्र व एमए राजनीति शास्त्र द्वितीय सेमेस्टर, एमएसी भौतिकी, वनस्पति विज्ञान व एमए हिंदी चतुर्थ, एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर, एमए चतुर्थ सेमेस्टर बैक सभी विषयों का परीक्षाफल घोषित किया गया है।

एमबीपीजी में आज आएगी पीजी की मेरिट लिस्ट

जासं, हल्द्वानी : एमबीपीजी कालेज में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए मंगलवार सुबह पहली मेरिट जारी हो जाएगी। सोमवार को कालेज में हुई प्रवेश समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने बताया कि एमए, एमएससी और एमकाम की पहली मेरिट कालेज की वेबसाइट mbgpgcollege.org पर जारी की जाएगी। कालेज के सूचना बोर्ड पर भी चस्पा होगी। मेरिट में स्थान पाने वालो को एक व दो नवंबर को प्रवेश दिया जाएगा।

4.7 कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत

के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मात्र 20 दिनों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित कर 105 परीक्षाफल घोषित किये गए।

4.8 कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा विश्वविद्यालय में शोध, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने निम्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई -

- सभी पात्र शिक्षकों हेतु आंतरिक अनुसंधान निधि (Internal Research Funding) की शुरुआत की गई।
- विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं शोध छात्रों द्वारा राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में प्रतिभाग करने पर निधि प्रदान की शुरुआत की गई।
- पेटेंट आवेदन हेतु मार्गदर्शन एवं निधि की व्यवस्था हेतु पेटेंट सेल की स्थापना की गई।

4.5 कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा विश्वविद्यालय के सर जे०सी० बोस परिसर में प्रबंध विभाग, फार्मेसी विभाग एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग का औचक निरिक्षण किया गया। इस दौरान बायोटेक्नोलॉजी विभाग में अनियमितता सामने आने पर विभागाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस देते हुए व्यवस्थाओं में सुधार करने के कड़े निर्देश भी दिए गए।

भीमताल परिसर में वीसी का छापा, ड्यूटी पर नहीं मिले बायोटेक के विभागाध्यक्ष

कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल परिसर में छात्रों को संबोधित करते कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ● सौजन्य कुमाऊं विवि

जासं, नैनीताल: कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने शुक्रवार को सर जेसी बोस परिसर भीमताल का औचक निरीक्षण किया तो बायोटेक्नोलाजी विभाग में अनियमितता पकड़ी। पता चला कि विभागाध्यक्ष निर्धारित समय के बजाय साढ़े दस बजे से दोपहर 12 बजे के बीच ड्यूटी आते हैं। कुलपति ने विभागाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस देते हुए पिछले दस दिन की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए हैं। कुलपति के औचक निरीक्षण से परिसर के प्राध्यापकों-कर्मचारियों में खलबली मची है।

शुक्रवार को कुलपति प्रो. रावत सुबह दस बजकर 20 मिनट पर दिल्ली से आने के बाद सीधे भीमताल परिसर पहुंच गए। बायोटेक विभाग में दो कक्षाएं चल रही थीं जबकि विभागाध्यक्ष नहीं पहुंचे थे। कुलपति के अनुसार पता चला कि विभागाध्यक्ष अक्सर साढ़े दस बजे से दोपहर 12 या 12:30 बजे तक ड्यूटी में आते हैं। उन्होंने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। कुलपति ने छात्रों से जानकारी लेने की कोशिश की तो किसी ने मुंह नहीं खोला। कुलपति फार्मेसी एवं प्रबंधन विभाग पहुंचे तो वहां कक्षाओं का सुचारु संचालन हो रहा था।

कुलपति ने नैनीताल में विवि प्रशासनिक भवन पहुंचने के बाद बायोटेक के विभागाध्यक्ष को कारण बताओ जारी करने के निर्देश कुलसचिव को दिए। कहा है कि स्पष्टीकरण आने के बाद मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डायरेक्टर, विभागाध्यक्ष व संकायाध्यक्षों की बैठक में कालेज व कक्षाओं के औचक निरीक्षण की बात कही थी, इसके बाद भी विभागाध्यक्ष ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यह बेहद गंभीर मामला है, इस मामले में ऐसी कार्रवाई होगी कि नजीर बनेगी।